SHRI SHYAMNANDAN MISHRA : We demand a full-fledged discussion. There seems to be a big scandal behind it and we should have some opportunity to clarify the points.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour) : Sir, on a point of order, arising out of what the Minister has said.

MR. SPEAKER : If you want to say something, why do you use the point of order?

SHRI BHAGWAT JHA AZAD (Bhagalpur) : The Indian Airlines have made up their mind. I thank the Minister for changing that. They are all wrong information and even this statement will require further clarification. How do they make these plans before hand? They all go in for American 737....(*Interruptions*). The Indian Airlines is trying to scuttle the Indian fleet in favour of Americans; we protest against this..

MR. SPEAKER : If you want to discuss it, you give notice; do not shout now.

SHRI JYOTIRMOY BOSU : Only the other day serious corruption charges were levelled against the IAC officials in the matter of the purchase of the aircraft.

MR. SPEAKER : Order, please. We go to the next item.

12.20 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) RE-DAMAGED BRIDGE ON RIVER CHAMBAL ON AGRA-BOMBAY NATIONAL HIGHWAY.

श्री अटल बिहारी बाजपेयी (ग्वालियर) : अध्यक्ष महोदय, आप की अनुमति से मैं नियम 377 के अन्तर्गत एक महत्वपूर्ण मामला उठाना चाहता हूं।

आगरा-बम्बई राज मार्ग पर चम्बल नदी पर एक पुल बना हुआ था जो कई मास से टूटा हुआ पड़ा है। पुल अचानक टूट गया। ठेकेदार ने जो पुल के सम्बन्ध में गारन्टी दी थी उससे पहले ही पुल पानी में धंस गया। परिणाम यह हुआ है कि आज भारी ट्रकों को निकलने के लिए चम्बल नदी पर कोई पुल नहीं हैं। जो पौन्टून ब्रिज बनाया गया है उस पर छोटी गाड़ियां जा सकती हैं, लेकिन 16 टन के ट्रक नहीं निकल सकते हैं। उन ट्रकों को दिल्ली पहुंचने के लिए अध्यक्ष महोदय, 200 मील का चक्कर लगाना पड़ता है। वह ग्वालियर से झांसी, कालपी, औरैया, इटावा तथा फतेहाबाद होकर दिल्ली आ सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप उनके लाने का, माल ढोने का व्यय बढ़ गया है।

सेना ने कुछ दिनों के लिए चम्बल नदी को पार करने की दृष्टि से एक फ़ैरी सर्विस चलायी थी। उस ने अच्छा काम किया है और हम सेना के इंजीनियर्स को उस कार्य के लिए धन्यवाद देना चाहते है। लेकिन वह फ़ैरी सर्विस भी अब बन्द कर दी गई है।

परिवहन मंत्री सदन में मौजूद हैं, मैं जानना चाहूंगा कि ऐसा पौन्टून ब्रिज क्यों नहीं बनाया जा सकता है जिसके ऊपर से 16 टन के ट्रक निकल सकें? और मैं यह भी जानना चाहता हूं कि यह चम्बल का पुल स्थाई तौर से कब बन कर तैयार होगा?

नौवहन तथा परिवहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : अध्यक्ष महोदय, इस दुर्घटना पर सबको खेद है, और जैसे ही यह दुर्घटना हुई इसकी जांच कराई गई और जो भी अंतरिम व्यवस्था हो सकती थी, उसके लिए कोई कोर कसर उठा नहीं रखी गई। तुरन्त डिफ़ेंस के जरिये से, सुरक्षा सेना के जरिये मे फ़ैरी सर्विस का इंतजाम किया गया। पौन्टून ब्रिज 25 अप्रैल को खोल दिया गया, और एक कमेटी बैठा दी गई हैं जांच करने के लिए क्योंकि यह बहुत गम्भीर मामला है, इसमें टेक्नीकल और ऐडमिनिस्ट्रेटिव, दोनों ही सवाल उठते हैं।

यह दुर्घटना, आप जानते हैं कि चम्बल नदी के ऊपर वहां हुई है जहां चम्बल जमुना से मिलती है, उससे थोड़ी ही दूर पहले ही यह दुर्घटना

[श्री राज बहादुर]

हुई। इस जगह चम्बल की धारा बहुत तेज होती है और गति बलशाली होती है। वहां पर जो चट्टानें हैं उसके नीचे, बताया गया है कि मिट्टी निकल जाने से चट्टान धस गई और उसकी बुनियाद या कुआं धस गया जिसकी वजह से उसका एक पीयर भी धस गया। लेकिन आप यह जानते हैं कि यह पुल इकानामी के लिए हम लोगों ने सबमर्सिबिल पुल बनाया था तीन बार इसके ऊपर से पानी चला है 6 फुट पानी तक इस पर बह गया है। लगभग 14 वर्ष इस पुल को बने हुए हो गये हैं इतने दिन तक इसने काम किया। और सबमर्सिबिल पुल बनाने का काम हमने इसलिए किया था कि अगर पूरा पुल बनाते तो लगभग 3 करोड़ रु० लगता। इसलिए नई तरह का पुल हमारे इंजीनियर्स ने बनाया था। इसमें क्या कमी रह गयी अथवा यह दुर्घटना कैसे हुई इसको देखने के वास्ते 4 मई को एक कमेटी बनायी है जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं

1 श्री एस० एन० सिन्हा डायरेक्टर जनरल रोड डवलपमेन्ट

2 श्री यू० एस० राव एडीशनल मेम्बर सिविल इंजीनियरिंग रेलवे बोर्ड

3 श्री जी० सुब्रामन इंजीनियर इन चीफ सी०पी०डब्ल०डी०

4 मेजर जनरल जे० एस० बावा डायरेक्टर जनरल (बार्डर रोड्स)

5 श्री वी० एस० कृष्णास्वामी डिप्टी डायरेक्टर जनरल (ज्यालाजिकल सर्वे आफ इण्डिया)

6 श्री डी० पी० जैन, चीफ इंजीनियर पी० डब्लू०डी० राजस्थान जयपुर

7 श्री डी० टी० ग्रोवर, चीफ इंजीनियर (ब्रिजज) मिनिस्ट्री आफ शिपिंग एंड ट्रांसपोर्ट (रोड्स विंग)

इस समिति द्वारा इस मामले की पूरी तरह से जांच की जा रही है।

जहां तक नदी पार करने के लिए दूसरे साधनों का सम्बन्ध है, अर्न्तरिम साधन क्या हों, तो पौंटन जितने मिले, जहां से मिले, फौरन इकट्ठा करके उस पौंटून पुल को खोल दिया गया है, और बरसात के लिए इतजाम कर रहे हैं क्या कि बरसात में पौंटून ब्रिज नहीं रह सकता है इसलिए विशेष प्रकार की नावें लायी जा रही हैं जो बरसात के दिनों में, फ्लड के जमाने में भी चलायी जा सकें और जहां तक हो सकेगा सुविधा दी जायेगी।

इसके अलावा और दूसरे वैकल्पिक मार्ग भी हैं जिनके ऊपर से भारी ट्रक आ सकते हैं। छोटे ट्रक 10 टन तक के ट्रक इस पर से आ सकते हैं। लेकिन जो मख्य कठिनाई है वह यह है कि तौलने वाला ब्रिज पूरा नहीं बना है जिसकी वजह से खाली अंदाज से चलना पड़ता है। तौलने वाला ब्रिज जैसे ही बन जायेगा तो बहुत कुछ कठिनाई दूर हो जायेगी।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी क्या ऐसा एक पौंटन ब्रिज नहीं बना सकते जिस पर से 16 टन का ट्रक निकल सकता? जहां से भी हो इस तरह के ब्रिज के लिए आवश्यक सामग्री लाइये।

श्री राज बहादुर जहां से भी ऐसा सामान हासिल होगा वहां असुविधा होगी कोई सामान बात नहीं है।

(ii) REPORTED APPOINTMENT, AFTER RETIREMENT, OF VICE ADMIRAL B A SAMSON ON THE DIRECTORS BOARD OF PHILIPS (INDIA) LIMITED

SHRI INDRAJIT GUPTA (Alipore) Sir, under rule 377, I would like to draw the attention of the House to a matter which I consider to be extremely serious, and that is the reported appointment of Vice Admiral B A Samson, who has recently retired, to the Directors Board of Philips India, Limited Sir, as you know, no retired Government Official can take up employment in the private sector concerns nowadays without getting express approval of the Government So, I assume that Government have given him approval

The point arising out of this is that he was a very highly-placed defence official He was the Managing Director of the Maza-